प्रेस विज्ञप्ति

इरेडा ने वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए एमएनआरई, भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

वर्ष 2023-24 के लिए ₹4,350 करोड़ का राजस्व लक्ष्य निर्धारित

नई दिल्ली, 21 अगस्त 2023

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने आज नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), भारत सरकार के साथ प्रदर्शन-आधारित 'समझौता ज्ञापन' (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया । यह एमओयू, सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के अनुरूप, रणनीतिक लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार करता है जिन्हें इरेडा का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2023-24 और वर्ष 2024-25 के दौरान हासिल करना है।

एमओयू पर हस्ताक्षर एमएनआरई के सचिव, श्री भूपिंदर सिंह भल्ला और इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास द्वारा अटल अक्षय ऊर्जा भवन, नई दिल्ली में एमएनआरई और इरेडा के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किए गए ।

भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए परिचालन से राजस्व का लक्ष्य ₹4,350 करोड़ और वर्ष 2024-25 के लिए ₹5,220 करोड़ निर्धारित किया है। इरेडा ने पिछले वित्तीय वर्ष में परिचालन से ₹3,482 करोड़ का राजस्व हासिल किया था। भारत सरकार ने नेट वर्थ पर रिटर्न, नियोजित पूंजी पर रिटर्न, कुल ऋण अनुपात पर एनपीए, एसेट टर्नओवर अनुपात और प्रति शेयर आय,अन्य के बीच प्रमुख प्रदर्शन मापदंडों को भी परिभाषित किया है।

श्री प्रदीप कुमार दास ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान इरेडा के प्रदर्शन के उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड पर जोर दिया, जिससे कंपनी इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के दौरान ऋण संवितरण में 272% की प्रभावशाली वृद्धि और कर पश्चात लाभ (पीएटी) में 30% की वृद्धि दर्ज की। जागरूक वित्तीय प्रबंधन का प्रदर्शन करते हुए, इरेडा ने नेट गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में भी उल्लेखनीय कमी हासिल की, जिससे वित्तीय वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में यह आंकड़ा 2.92% से घटकर वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 1.61% हो गईं । ये उपलब्धियाँ नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए इरेडा के समर्पण को रेखांकित करती हैं।

इरेडा का लगातार उत्कृष्टता का ट्रैक रिकॉर्ड इसकी 'उत्कृष्ट' रेटिंग और पिछले तीन वित्तीय वर्षों में एमओयू के लिए प्राप्त 96 से अधिक अंकों से स्पष्ट है। दिनांक 21 अगस्त 2023 के अनुसार कंपनी ने 3,137 नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के ऋण खातों को संचयी ऋण मंजूरी और संचयी ऋण संवितरण के साथ क्रमशः ₹ 1,55,694 करोड़ और ₹ 1,05,245 करोड़ का वित्तपोषण किया है और देश में 22,061 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि का सपोर्ट किया है।